मूल्य 1 रु.
वर्ष: 13 - अंक : 258, मुंबई, मंगलवार, 5 दिसंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

मेट्रो की खुदाई के दौरान 2 जिंदा हैंड ग्रेनेड मिलने से सनसनी

बम निरोधक दस्ता ने की जांच

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे में सोमवार को मेट्रो निर्माण स्थल पर जिंदा हैंड ग्रेनेड मिलने से खलबली मच गई। अधिकारियों ने बताया कि पुणे के बानेर इलाके में शिवाजीनगर-हिंजेवाड़ी मेट्रो मार्ग पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान मजदूरों को काफी पुराना हैंड ग्रेनेड मिला। मिली जानकारी के मुताबिक, पुणे मेट्रो के लिए खंभे बनाने के लिए गड्ढा खोदा जा रहा था, तभी मजदूरों को हैंड ग्रेनेड दिखा। मजदूरों ने तुरंत अधिकारियों को इसकी सूचना दी और फिर चतुरश्रृंगी पुलिस को जानकारी दी गयी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

ठाणे में दरिंदगी की हद!

पैसों के लेनदेन पर पति ने की पत्नी की नृशंस हत्या

लाश को ड्रम बंद कर जंगल में फेंका

ठाणे। महाराष्ट्र में 35 वर्षीय एक व्यक्ति ने धन संबंधी झगड़े के बाद अपनी पत्नी की कथित तौर पर हत्या कर दी और शव को ड्रम में बंद कर ठाणे जिले के एक जंगल में फेंक दिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार को हुई और 32 वर्षीय महिला के परिवार की शिकायत के बाद आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। कल्याण ग्रामीण पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि टिटवाला इलाके में रहने वाले दंपति की शादी 12 साल पहले हुई थी और आरोपी अपनी पत्नी को अक्सर परेशान करता था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

शिरडी से निकली थी पालकी, काल बनकर आया कंटेनर

4 श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। एक धार्मिक जुलूस में शामिल लोगों (वारकरी) को कंटेनर ने कुचल दिया। हादसे में चार वारकरियों की दर्दनाक मौत हो गयी और कम से कम 8 वारकरी घायल हो गए। बताया जा रहा है कि शिर्डी से पुणे जिले के आलंदी तक पालकी यात्रा निकाली गयी थी, जिसमें 150 से ज्यादा वारकरी शामिल हुए थे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई में चढ़ेगा पारा और बिगड़ेगी आबोहवा !

आईएमडी ने बताया इस हफ्ते कैसा होगा मौसम

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान 'मिचौंग' ने दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में कहर बरपाना शुरू कर दिया है। तमिलनाडु के कई इलाकों में तेज हवा के साथ भारी बारिश हो रही है। इस चक्रवात का असर महाराष्ट्र के मौसम पर भी पड़ रहा है। चक्रवात मिचौंग के कारण मुंबई और उसके उपनगरों में पारा चढ़ने की संभावना है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

आंधी-बिजली गिरने का अलर्ट!

मौसम विभाग की बुलेटिन के अनुसार, अगले दो दिनों में महाराष्ट्र के अंदरूनी हिस्सों में तापमान में दो-तीन डिग्री की वृद्धि होगी। राज्य के विभिन्न हिस्सों में भी तापमान 15 डिग्री से नीचे गिर गया है। आईएमडी ने मंगलवार और बुधवार को विदर्भ के कुछ हिस्सों में आंधी तूफान के साथ बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कॉप समिट का क्या अर्थ?

यह महत्त्वपूर्ण प्रश्न उठा है कि जब मेजबान देश ही जलवायु सम्मेलन का इस्तेमाल जलवायु परिवर्तन रोकने के मकसद के खिलाफ कर रहा हो, तो फिर ऐसे आयोजन की क्या प्रासंगिकता रह जाती है?

जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की कॉप (कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज) प्रक्रिया की प्रासंगिकता पर अब वाजिब सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल इस प्रक्रिया के तहत 28वां सम्मेलन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हो रहा है। वैसे भी पिछले 27 सम्मेलनों में यह प्रक्रिया ज्यादा कुछ हासिल करने में नाकाम रही। लेकिन तब कम-से-कम इतना होता था कि जलवायु परिवर्तन के खतरों को लेकर सारी दुनिया एक स्वर से चिंता जताती थी। मगर यूएई में तो खुद मेजबान ने अब बनी मूलभूत समझ को चुनौती दे दी है। यूएई का राष्ट्रपति होने के नाते सुल्तान अल जबर कॉप-28 के अध्यक्ष हैं। इस महत्त्वपूर्ण भूमिका में होने के कारण उनकी राय ने दुनिया भर का ध्यान खींचा है। सुल्तान अल जबर ने कहा कि ऐसा कोई विज्ञान मौजूद नहीं है, जो जीवाश्म ऊर्जा का उपयोग चरणबद्ध ढंग से घटाने की जरूरत बताता हो। ऐसा आप तभी कर सकते हैं, जब आपने दुनिया को गुफाओं में वापस धकेल देने का इरादा कर लिया हो। इसके साथ ही ये तथ्य चर्चित हुआ कि अल जबर यूएई की राष्ट्रीय तेल कंपनी एडीएनओसी के अध्यक्ष भी हैं। इस रूप में तेल के कारोबार को जारी रखने के साथ उनका स्वार्थ जुड़ा हुआ है। इस बीच बीबीसी ने ई-मेल की लीक हुई एक श्रृंखला के आधार पर एक बड़ा खुलासा किया है कि यूएई ने कॉप-28 सम्मेलन के मौके पर तेल और गैस के सौदे करने- यानी अपने कारोबार को बढ़ाने की एक बड़ी योजना बनाई थी। संभवतः कॉप-28 के दौरान उस पर अमल भी हो रहा है। तो ये प्रश्न उठा है कि जब मेजबान जलवायु सम्मेलन का इस्तेमाल जलवायु परिवर्तन रोकने के मकसद के खिलाफ कर रहा हो, तो फिर ऐसे आयोजन की क्या प्रासंगिकता रह जाती है? अब तक यह कहा जाता था कि भले कॉप प्रक्रिया से ठोस कुछ हासिल ना होता हो, लेकिन कम-से-कम इस मौके पर होने वाली चर्चाओं से दुनिया में जलवायु समस्या को लेकर जागरूकता फैलती है। यह सच भी है। लेकिन इस बार तो खुद सम्मेलन के अध्यक्ष ने उस समझ को चुनौती दे डाली है, जो दशकों के प्रयास से बनी है।

निमोनिया का केंद्र चीन, शक इसलिए जरूरी?

बहरहाल, चाइना में फैले रहस्यमय निमोनिया ने न सिर्फ एशिया को बल्कि समूचे संसार को भयभीत कर रखा है। हालांकि अभी छुटपुट ही केस सामने आए हैं, लेकिन उन्होंने ही चिकित्सा तंत्र की सांसों को फुलाया हुआ हैं। दरअसल संसार कोविड के बाद से भयभीत है, वो महामारी भी चीन से फैली थी, उसके फैलने का अंदाज भी कमोबेश कुछ ऐसा ही था।

खुराफाती चीन की कारस्तानियों ने फिर दुनिया को खौफजदा कर दिया है। वहां से पनपा जानलेवा 'निमोनिया' हर जगह दस्तक देने को तैयार है। कई जगहों पर तो कहर बरपाना शुरू कर दिया है? इसलिए आमजन का खौफजदा होना स्वाभाविक भी है, क्योंकि बात बच्चों के स्वास्थ्य की जो है। वैसे, अभी तक अधिकांश एशियाई मुल्क ही इस बीमारी की चपेट में है। इसलिए संभावित खतरों को देखते हुए, सभी देश मेडिकल अलर्ट पर हैं। अलर्ट पर इसलिए हैं क्योंकि निमोनिया का केंद्र चीन में जो है। कोविड का केंद्र भी वहीं था। तभी से वो सभी की नजरों में है। निमोनिया फैलने की खबर के बाद दुनिया में एक आवाज उठने लगी हैं कि क्यों चाइना मानव स्वास्थ्य का दुश्मन बना हुआ है? क्यों बेमौत मारने पर तुला है। सच्चाई क्या ये चीन ही जानता है पर कोविड-19 को फैलाने का ठप्पा तो उसके माथे पर चस्पा है? जिसे न चाहते हुए भी नहीं हटा पा रहा? अब नई आफत निमोनिया ने खड़ी कर दी। चाइना निमोनिया को लेकर दुनिया के निशाने पर है। चतुर चीन के रहस्यमय निमोनिया की चपेट में बच्चे ही ज्यादातर आ रहे हैं। लाखों की संख्या में स्कूली बच्चे अभी तक प्रभावित हो चुके हैं। विगत कुछ दिनों से वहां के तमाम अस्पताल निमोनिया से पीड़ित बच्चों से खचाखच भरे हैं। फिलहाल, चीन इस बीमारी को अज्ञात बता रहा है। चिकित्सा विज्ञान ने इसका नामकरण 'एवियन इन्फ्लुएंजा' से किया है। वायरस भी बता रहे हैं। वायरस को 'एच9-एन2' नाम दिया है। लेकिन पूर्ववर्ती सच्चाईयों पर गौर करें, तो इससे पहले भी आई फ्लू, स्वाइन फ्लू, कोरोना और अब ये ह्एवियन इन्फ्लुएंजाह्ल सभी चीन ने ही दुनिया को बिन मांगे दिए हैं। डब्ल्यूएचओ ने हमेशा की तरह सावधानी बरतने को कहा है। चीन का वुहान चिकित्सीय प्रयोगशाला मेडिकल रिसर्च के लिए एक थ्योरी और पहेली बना हुआ है,

क्योंकि वहां के निर्मित वायरस और जैविक अनुसंधान, अजन्मी बीमारियां, घातक वायरस और उनके सब-वेरिएंट ही संसार पर कहर ढा रहे हैं। ताज्जुब इस बात का है कि सब कुछ जानते-समझते हुए भी ग्लोबल स्तर के तमाम तथाकथित वैश्विक स्वास्थ्य संगठन न तो चीन को जवाबदेह ठहरा रहे हैं और न ही कोई कार्यवाही करने का मन बनाते हैं। समझ में नहीं आता कि क्यों स्वास्थ्य संगठन, विश्व की महाशक्तियां व 'नाटो' जैसे मजबूत संगठन चीन की दादागीरी पर प्रहार नहीं करते।

चिकित्सा विज्ञान के लिए तय करना हो रहा है कि निमोनिया के पीछे चीन की वास्तव में कोई मानवीय हिमाकत है या नहीं? हालांकि इस पर अभी कुछ कहा भी नहीं जा सकता? पर, संदेह करने की वजहें बहुतेरी हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक टीम इसकी खोज में है। शुरूआती जांच पड़ताल में कुछ ऐसे इंनपुट उन्हें मिले हैं, जिससे संदेह हुआ है कि ये स्वःमिर्मित वायरस हो सकता है। हालांकि प्रमाणित होने के लिए अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। पर, फाइनल रिपोर्ट से पहले ही डब्ल्यूएचओ ने चीन को लताड़ते हुए कुछ सवाल-जवाब जरूर किए हैं, जिस पर चीन ने सफाई देकर फिलहाल अपना पल्लाझाड़ लिया है। लेकिन शक-संदेह के जो बादल चीन पर मंडरा गए हैं, उनसे जल्द छुटकारा पाना संभव नहीं होगा? क्योंकि हर मर्तबा ये सवाल उठता कि ज्यादातर जानलेवा अजन्मी बीमारियां और वायरस चीन में ही जन्म लेते हैं? कोविड के वक्त भी ये बड़ा सवाल खड़ा हुआ था, जिसका माकूल जवाब आज तक नहीं मिल पाया।

बहरहाल, चाइना में फैले रहस्यमय निमोनिया ने न सिर्फ एशिया को बल्कि समूचे संसार को भयभीत कर रखा है। हालांकि अभी छुटपुट ही केस सामने आए हैं, लेकिन उन्होंने ही चिकित्सा तंत्र की सांसों को फुलाया हुआ हैं। दरअसल संसार कोविड के बाद से भयभीत है, वो महामारी भी चीन से फैली थी, उसके फैलने का अंदाज भी कमोबेश कुछ ऐसा ही था।

कोरोना के पहले एकाध केस सामने आए थे, फिर उसने जो विकराल और रौद्र रूप धारण किया, उसे आज भी याद करके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उस गुजर वक्त को कोई भूल से भी याद नहीं करना चाहता। उस दौर में कोई ऐसा शख्स नहीं होगा, जिसने अपनों या अपने किसी परिचित को न खोये हो? इसी कारण लोग निमोनिया से डरे हुए हैं। लोग सोचते हैं कि कहीं निमोनिया भी कोविड जैसा मंजर न पैदा कर दे। चीनी निमोनिया की स्थिति को देखते हुए भारतीय हेल्थ विभाग पूरी तरह से चौकन्ना है। दिल्ली से स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को अलर्ट पर रहने के आदेश दिए हैं। इसको लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने खुद समीक्षा बैठक करके स्थिति का जायजा लिया हैं। ये अच्छी बात है कि कोई संभावित समस्या बढ़े, उससे पहले ही मुकम्मल तैयारियां कर ली जाएं ताकि माहौल ऐन वक्त पर पैनिक न हो। कभी-कभार ऐसा प्रतीत होता है कि दुनिया की महाशक्ति बनने का सपना और विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं के मद में चीन पगला गया है। तभी वो संसार को किसी-न-किसी संकट में डालता रहता है। उसकी हरकतों पर लोग थूकने लगे हैं, लेकिन बावजूद इसके अपनी कुटिल कारस्तानियों से बाज नहीं आता? चीनी अधिकारी निमोनिया की बिल्कुल भी पुष्टि नहीं कर रहे। फालतू की सफाई देते हैं कि ये कोई नई बीमारी नहीं है, पुरानी है। सामान्य जीवाणु संक्रमण मात्र है जिस पर जल्द रोकथाम करेंगे। चाइना के इस तर्क पर यकीन कर भी लें, तब भी चिंता की बात इसलिए है, क्योंकि ज्यादातर संक्रमण चाइना से आयात होते हैं। निमोनिया को लेकर चीन झूठ पर झूठ बोल रहा है। हांलाकि, पड़ोसी नेपाल ने थोड़ी हिम्मत दिखाई, उसने चीन पर सीधा आरोप लगाया, बोला निमोनिया के पीछे तुम्हारा ही हाथ है। इस पर चीन तमतमाकर बौखला गया? नेपाल में चल रहे निर्माण कार्य को रोकने की धमकी दे डाली। उसके बाद नेपाल भी शांत हो गया।

एक देश के बूते की बात नहीं, चाइना की कारस्तानियों पर अंकुश लगाने के लिए ग्लोबल स्तर पर विश्व के विकसित देशों को एक मंच पर साथ आना होगा। सबसे पहले वुहान स्थित मेडिकल लैब की जांच करनी चाहिए, जहां जाने का चीन ने प्रतिबंध लगाया हुआ है।

वहां, कुछ तो गडबड़झाला है बात पल्ले नहीं पड़ती, आखिर क्यों वायरस फैलाकर चीन दुनिया को मारना चाहता है। ऐसे सवाल अब और बड़े हो गए हैं। इस काम को सिर्फ डब्ल्यूएचओ की चेतावनी और डांट-डपटकर नहीं कर सकती। सभी को साथ आना होगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक–**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई–68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी–2–301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दिवा शहर में पानी की किल्लत के चलते ठाकरे की शिवसेना द्वारा निकला गया दिवा प्रभाग समिति तक मोर्चा

यदि एक महीने में पानी की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो शिवसैनिक करेंगे ठाणे मनपा मुख्यालय का घेराव

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

दिवा। दिवा में पानी की किल्लत अनामियत जलापूर्ति और पानी के बिना नागरिकों को भारी बिल आने के विरुद्ध में ठाकरे की शिवसेना ने ठाणे मनपा प्रशासन की दिवा प्रभाग समिति के काम के विरुद्ध धरना दिया इस मोर्चे में महिलाओं की उपस्थिति भारी संख्या में देखी गई, सांसद एवं शिवसेना नेता राजन विचारे,कल्याण लोकसभा संपर्क प्रमुख गुरुनाथ खोत, कल्याण जिला प्रमुख सदानंद थरवल, पूर्व विधायक सुभाष भोईर के मार्गदर्शन में शहर प्रमुख सचिन पाटील, दिवा शहर आयोजन रोहिदास मुंडे, अभिषेक ठाकुर शहर अधिकारी युवा, युवा शहर प्रमुख वैष्णव पाटिल, तन्वी फाउंडेशन की अध्यक्ष ज्योति पाटील जो हाल ही में ठाकरे की शिवसेना में शामिल हुई, शहर संगठीका योगिता नाइक, तेजस पोरजी, मयूरी पोरजी,ठाकरे की शिवसेना के नेतृत्व में पुरुष और महिलाएं दिवा प्रभाग समिति में पानी की कमी का जवाब मांगने के लिए कार्यालय पहुंचे। ठाणे मनपा प्रशासन में शिंदे के अकेले प्रभुत्व के बावजूद पिछले कई वर्षों से दिवा मैं पानी की कमी के कारण ठाकरे की शिवसेना ने पानी के लिए दिवा प्रभाग समिति का घेराव किया और शिंदे समूह के मनमाने प्रबंधन पर आवाज उठाई, पानी की चोरी पानी की लाइन बेचने वाले दलाल, और टैंकर माफियाओं को पानी मिलता है लेकिन दिवा में गरीब लोगों को पानी नहीं मिल रहा है, ऐसा सवाल ठाकरे की पार्टी शिवसेना के पदाधिकारी ने चर्चा के दौरान मनपा प्रशासन के अधिकारी से पूछा कि लोगों को पानी क्यों नहीं मिल रहा है इस अवसर पर मनपा प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि दिवा मैं पानी की समस्या को दूर करने के लिए ईमानदारी से प्रयास किया जा रहे हैं। ठाकरे की शिवसेना के प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी की अगर एक महीने के भीतर दिवा मैं पानी की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो ठाकरे की शिवसेना के सैनिक ठाणे मनपा प्रशासन मुख्यालय का घेराव करेगी पिछले कुछ वर्षों में शिंदे गुट का ठाणे मनपा प्रशासन पर दबदबा रहा है शिवसेना के विभाजन के बाद दिवा के ज्यादातर नगरसेवक शिंदे गुट में चले गए हैं। इन लोगों की दिवा पर हावी होने के कारण यहां के लोगों को न्याय नहीं मिला. दिवा शील पाइपलाइन को पूर्व विधायक सुभाष भोईर ने मंसूरी दी थी।

कार्य आदेश वर्ष 2020 में जारी किया गया था लेकिन सांसद श्रीकांत शिंदे श्रेय चाहते हैं क्याकी उन्होंने दिवाकरो को तीन वर्ष तक पानी से वंचित रखा? दिवा शहर की आयोजक रोहिदास मुंडे ने इस वक्त ऐसा आरोप लगाया. शहर प्रमुख सचिन पाटिल ने मांग की है की दिवा के नागरिकों को पानी की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पानी चोरों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए ज्योति पाटील ने मांग की है कि दिवा शहर में पानी की समस्या का समाधान किया जाना चाहिए क्योंकि पानी की कमी से महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित होती है और उन्हें पानी खरीदना पड़ता है, जिससे वित्तीय स्थिति खराब हो जाती है। दिवा प्रभाग समिति पर धड़क मोर्चा एक ट्रेलर है और ज्योति पाटील ने चेतावनी दी है कि अगर दिवा शहर मैं पानी की समस्या का समाधान नहीं किया तो ठाणे मनपा मुख्यालय पर एक विशाल विरोध मोर्चा आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर उपजिला प्रमुख विजय देसाई, संयुक्त संपर्क अधिकारी अरविंद बिरमुले, कल्याण लोक सभा संपर्क संघटिका मृणाल यज्ञेश्वर, जिला संगठन कविता गावंड, कलवा नगर प्रमुख चंद्रकांत विधाटे, कलवा नगर संगठक रविंद्र सर्वे, सचिन पाटील सिटी चीफ, रोहिदास मुंडे शहर आयोजक, अभिषेक ठाकुर युवा नगर पदाधिकारी, वैष्णव पाटिल उप शहर प्रमुख, योगिता नाइक, उप शहर संगठक, प्रियंका सावंत उप शहर संगठक, शहर सचिव उमेश राठौड़, चेतन पाटील विभाग प्रमुख, मछिंद्रनाथ लाड प्रभाग प्रमुख, स्मिता जाधव प्रभाग संघटीका दिवा शहर अन्य सभी शिवसेना युवासेना के पदाधिकारी युवा शहर प्रमुख, उपविभागप्रमुख शाखाप्रमुख उपशाखाप्रमुख, और सभी शिव सैनिक उपस्थित थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मेट्रो की खुदाई के दौरान 2 जिंदा हैंड ग्रेनेड मिलने से सनसनी

कुछ ही मिनटों में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और परिसर को सील कर दिया। चतुरश्रृंगी थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बालाजी पंधारे के मुताबिक, बीडीडीएस स्क्वायड को मौके पर बुलाया गया। एहतियात के तौर पर बीडीडीएस के अधिकारियों ने पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर हैंड ग्रेनेड को सुरक्षित रूप से हटाकर डिस्पोज किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि यह पुष्टि करने के लिए जांच चल रही है कि ग्रेनेड अभी भी जिंदा है या नहीं। हालांकि पुणे पुलिस के सूत्रों ने कहा कि ऐसी संभावना है कि हैंड ग्रेनेड ब्रिटिश काल का हो सकता है। जो वर्षों से मिट्टी के नीचे दबा था, फिलहाल मामले में आगे की जांच चल रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बानेर में आयशर कंपनी के परिसर में मेट्रो लाइन के लिए खुदाई शुरू थी। इस बीच मजदूरों की नजर हैंड ग्रेनेड पर पड़ी। एक ही स्थान पर दो हैंड ग्रेनेड मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रेनेड मिलने से स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शिरडी से निकली थी पालकी....

मिली जानकारी के मुताबिक, यह हादसा नासिक-पुणे राष्ट्रीय राजमार्ग पर संगमनेर तालुका में खंदरमाल के पास रविवार शाम करीब चार बजे हुआ। दुर्घटना के बाद मौके पर भयावह स्थिति बन गयी। कंटेनर की चपेट में दर्जनभर से ज्यादा श्रद्धालु आए थे। जिनमें से चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। शिरडी के काशीनाथ महाराज माऊली की साईंबाबा पालकी समारोह में डेढ़ सौ श्रद्धालु शामिल थे। पालकी लेकर जुलूस संगमनेर से आलंदी की ओर जा रहा था। जहां श्रद्धालु संत ज्ञानेश्वर माऊली के दर्शन करने वाले थे। रविवार शाम सवा चार बजे के करीब नासिक-पुणे हाईवे पर पीछे से तेज गति से आ रहा कंटेनर यात्रा में घुस गया। घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गयी।

मुंबई में चढ़ेगा पारा और बिगड़ेगी आबोहवा!

मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस हफ्ते मुंबई में गर्म मौसम रहने की उम्मीद है। इस दौरान दिन का तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। वहीं आने वाले दिनों में वायुमंडलीय तापमान में बने सिस्टम के कारण शहर और आसपास के इलाकों में आंशिक बादल और धुंध छाया रहेगा। इसके परिणामस्वरूप हवा की गुणवत्ता खराब होने की भविष्यवाणी की गई है। बता दें कि मुंबई की वायु गुणवत्ता में पिछले कुछ दिनों में मामूली सुधार हुआ था।

ठाणे में दरिंदगी की हद!

उन्होंने बताया कि आरोपी अपने सास-ससुर से पैसे की मांग करता था। अधिकारी ने बताया कि महिला के परिवार ने पहले भी आरोपी को 80,000 रुपये दिए थे। उन्होंने बताया कि आरोपी को ऑटो-रिक्शा खरीदने के लिए दो लाख रुपये की जरूरत थी, जो महिला के माता-पिता नहीं दे सके। उन्होंने बताया कि पति-पत्नी के बीच पैसों व अन्य मुद्दों को लेकर अक्सर झगड़ा होता था। अधिकारी ने बताया कि रविवार को व्यक्ति ने अपनी पत्नी के सिर पर लोहे की छड़ से कथित तौर पर हमला किया और फिर रस्सी से उसका गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपी ने महिला के शव को एक बड़े ड्रम में बंद किया और फिर एक ऑटो-रिक्शा में ले जाकर उसे अंबरनाथ के पास एक जंगल में फेंक दिया।

नाशिराबाद में पूर्व सरपंच सहित दर्जनों लोग बीआरएस में हुए शामिल

मुंबई हलचल/संवाददाता

जलगाँव। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) जलगाँव जिला अध्यक्ष लक्ष्मण पाटिल (लक्की अन्ना) की मौजूदगी में जिले के नाशिराबाद में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान दर्जन भर लोग बीआरएस में शामिल हुए। मिली जानकारी के अनुसार जिला अध्यक्ष लक्ष्मण पाटिल उर्फ लक्की अन्ना ने विधिवत रूप से लोगों को गुलाबी पटका पहनाकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराकर हार्दिक अभिनंदन किया है।

सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि हाल ही में आए तेलंगाना के चुनाव परिणाम को लेकर पार्टी से जुड़े कार्यकर्ता व पदाधिकारियों में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व,जनकल्याण,विश्वास में कोई कमी नही रही है। बताया ये भी जा रहा है कि पार्टी के सुप्रीमो के. चंद्रशेखर राव गरीबों व किसानों के लिए आगे भी कार्य करते रहेंगे।

वही,पार्टी के प्रभारी के. वामशीधर राव, किसान सैल माणिकराव कदम,उत्तर महाराष्ट्र समन्वयक नाना साहेब बच्छाव के मार्गदर्शन से प्रदेश में आए दिन लोग पार्टी से जुड़ रहे है। राजनीति में हार जीत चलती रहती है। उधर बीते रविवार को नाशिराबाद में पार्टी पर विश्वास जताते हुए अल्पसंख्यक समुदाय से भी काफी लोग पार्टी में शामिल हुए है। जिला अध्यक्ष के पीएस स्वामी पाटिल ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व सरपंच इमाम खान,अजित खान, जहीर शेख, चैयरमेन मुतल्लिफ शेख,सादिप शाह,वकार शेख,इरफान सैय्यद, सलीम शेख, आमिर खान,लालभाई,अख्तर ठेकेदार,रमजान शेख,जमील शेख,रहीश मोमिन,इमाम खान, अजीज मिस्त्री,अताउल्ला शाह,आवेश अली,फहीम शेख, शाहरुख खान,समीरुद्दीन,कमरुद्दीन,सोहेल शेख,रोशन, उझेफ खान,सईद शेख,आमिर खान,हमीद खान, माज शेख,समीर शेख,हयात मोमिन,फजल खान, मोहम्मद आवेश शेख,शाहिद शेख,रेहान शेख, एजाज शेख,सलमान खान सहित आदि लोग पार्टी में शामिल हुए। इस दौरान जलगांव विधानसभा समन्वयक भिकन सोनवाने,कामिल खान, जिलाध्यक्ष पीएस स्वामी पाटिल,नरेंद्र पाटिल,विजय पाटिल सहित काफी संख्यां में बीआरएस पार्टी से जुड़े लोग मौजूद रहे।

गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम में जमा कराएं सोना, घर बैठे आएगी ब्याज की इनकम

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

साल 2015 में गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम लॉन्च की गई थी। इसका मकसद लोगों के घरों, बड़े-बड़े मंदिरों और अन्य संस्थानों के पास पड़े सोने को इकोनॉमी में लाना है। वहीं समय के साथ सोने को लेकर देश की आयात पर निर्भरता को कम करना भी इसका लक्ष्य है। आखिर कैसे काम करती है ये स्कीम?

गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम में देश का कोई भी नागरिक, हिंदू अविभाजित परिवार, कंपनी, चैरिटेबल संस्थान, प्रोपराइटर शिप या पार्टनरशिप फर्म, ट्रस्ट या म्यूचुअल फंड इत्यादि निवेश करके पैसा कमा सकते हैं। वहीं केंद्र या राज्य सरकारें या उनकी कंपनियां भी अपने सोने को इस स्कीम में कैश कर सकती हैं। सिर्फ 10 ग्राम सोना जमा करके भी इस स्कीम में पैसा कमाया जा सकता है।

10 ग्राम सोना जमा करके भी इस स्कीम में पैसा कमाया जा सकता है

क्या वापस मिलता है सोना?

इस स्कीम के तहत अगर आप शॉर्ट टर्म के लिए गोल्ड डिपॉजिट करते हैं, तब आपको आपका सोना वापस मिल जाता है। जबकि मीडियम टर्म या लॉन्ग टर्म में निवेश करने वालों को सोना वापस नहीं मिलता, बल्कि मैच्योरिटी के वक्त सोने की जो कीमत होती है, उसके हिसाब से पैसे रिटर्न मिलते हैं। सरकार इस सोने का इस्तेमाल दूसरे काम के लिए कर लेती है। यदि आप ब्याज हर साल लेते हैं, तो आपको साधारण ब्याज (सिंपल इंटरेस्ट) ही मिलता है, जबकि मैच्योरिटी पर रिटर्न लेते वक्त आपको चक्रवृद्धि ब्याज (कंपाउंड इंटरेस्ट) का भुगतान होता है।

5 से 7 सात के लिए मिलता है 2.25 फीसदी ब्याज : अगर आप मीडियम टर्म के लिए गोल्ड जमा करते हैं, तब ये बैंक में नहीं बल्कि सरकार के पास जमा होता है। 5 से 7 साल की अवधि के इस डिपॉजिट में 2.25 प्रतिशत का सालाना ब्याज मिलता है। वहीं लॉन्ग टर्म में ये 12 से 15 साल के लिए सरकार के पास डिपॉजिट होता है और आपको सालाना 2.50 प्रतिशत ब्याज मिलता है।

तीन तरह से खोल सकते हैं अकाउंट

देश में चुनिंदा बैंक 'गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम' का फायदा देते हैं। आपको बस केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) नियमों को पूरा करना है। इसके बाद बैंक आपके सोने की आपके सामने शुद्धता जांच करवाएगा और इसके बदले में आपको डिपॉजिट रसीद जारी की जाएगी। इन डिपॉजिट रसीद के बदले में बैंक आपका 'गोल्ड बैंक डिपॉजिट अकाउंट' खोलेंगे। ये 3 तरह से खुलता है।

शॉर्ट टर्म से लॉन्ग टर्म तक करें ब्याज से कमाई

गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम आपकी डिपॉजिट रसीद के बदले में शॉर्ट टर्म, मीडियम टर्म और लॉन्ग टर्म के हिसाब से अकाउंट खोलता है। शॉर्ट टर्म में आपका गोल्ड डिपॉजिट 1 से 3 साल के लिए होता है। इसमें ब्याज बैंक द्वारा तय किया जाता है। जबकि मीडियम और लॉन्ग टर्म की डिपॉजिट स्कीम में आपका गोल्ड सरकार के पास जमा होता है और इस पर फिक्स ब्याज मिलता है।

खबर संक्षेप

चीन के 50 लाख युवा भाग गए थाईलैंड

बीजिंग। विदेशों में बढ़ते प्रवासन के बीच थाईलैंड कई चीनी लोगों के लिए एक प्रमुख केंद्र बन गया है। देश में अनुमानित 7.1 मिलियन लोग हैं जो खुद को चीनी मानते हैं। जो दक्षिण पूर्व एशिया में सबसे पुराना और सबसे महत्वपूर्ण जातीय चीनी समुदाय है। बीते एक साल में थाइलैंड में 5 मिलियन यानी 50 लाख चीनी नागरिक पहुंचे हैं। चीनी पहले से ही थाईलैंड में संपत्ति के विदेशी खरीदारों के सबसे बड़े समूह के रूप में रैंक करते हैं, 2022 में औसतन 150,000 प्रत्येक की कीमत पर 3,500 से अधिक इकाइयां खरीदी गईं।

भारतीय सिख परिवार से पाक में लाखों की लूट

लाहौर। लाहौर में पिछले हफ्ते सुरक्षाकर्मियों के भेष में एक भारतीय सिख परिवार से 2.50 लाख रुप, लूटे गए। साथ ही 1.50 लाख पाकिस्तानी रुपए मूल्य के आभूषण भी लूटे गए। पीड़ित सिख कंवलजीत और उनके परिवार के सदस्य गुरुनानक जयंती उत्सव में शामिल होने के लिए भारत से पाकिस्तान के पंजाब प्रांत पहुंचे थे। सिख परिवार 29 नवंबर को खरीदारी के लिए लाहौर के गुलबर्ग इलाके में लिबर्टी मार्केट गया था। इसी दौरान सुरक्षा मंजूरी और जांच के नाम पर पुलिस के भेष में लुटेरों ने उन्हें रोका।

पीएम नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में नौसेना दिवस समारोह पर भाग लिया

नौसेना दिवस मनाना वास्तव में अभूतपूर्व गौरव का क्षण

जिनका समुद्र पर नियंत्रण वे ही रखते हैं अंतिम शक्ति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिंधुदुर्ग में 'नौसेना दिवस 2023' समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने तारकरली समुद्र तट, सिंधुदुर्ग से भारतीय नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों, विमानों और विशेष बलों के 'सामरिक प्रदर्शनों' को भी देखा। श्री मोदी ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

मुंबई हलचल / मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय नौसेना की गर्जना के साथ मालवन, तारकरली के तट पर सिंधुदुर्ग के भव्य किले के नजदीक 4 दिसम्बर के ऐतिहासिक दिन वीर शिवाजी महाराज के प्रताप और राजकोट किले में उनकी भव्य प्रतिमा के उद्घाटन ने भारत के हर नागरिक को जोश और उत्साह से भर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंधुदुर्ग किला भारत के प्रत्येक नागरिक में गर्व की भावना पैदा करता है। उन्होंने किसी भी राष्ट्र की नौसैनिक सामर्थ्य का महत्व पहचानने में शिवाजी महाराज की दूरदर्शिता पर जोर किया। शिवाजी महाराज की उद्घोषणा को दोहराते हुए कि जिनका समुद्र पर नियंत्रण है, वे ही अंतिम शक्ति रखते हैं।

तटवर्ती क्षेत्रों में आधुनिक कनेक्टिविटी मजबूत: मत्स्य पालन क्षेत्र में मूल्य श्रृंखला विकास के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि सागरमाला योजना तटवर्ती क्षेत्रों में आधुनिक कनेक्टिविटी को मजबूत कर रही है। इस पर लाखों करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं और तटीय इलाकों में नए व्यापार और उद्योग लगेंगे। समुद्री खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित उद्योग और मछली पकड़ने वाली नौकाओं का आधुनिकीकरण भी किया जा रहा है।

अपनी विरासत पर गर्व करने की भावना रखें

भारत हर साल 4 दिसंबर को मनाता है नौसेना दिवस

हम उनकी सेवा और बलिदान के लिए सदैव आभारी

कोंकण अभूतपूर्व संभावनाओं का क्षेत्र

प्रधानमंत्री ने कहा, कोंकण अभूतपूर्व संभावनाओं का क्षेत्र है। क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी, अलीबाग, परभणी और धाराशिव में मेडिकल कॉलेजों के उद्घाटन, चिपी हवाई अड्डे के संचालन और मानगांव तक जुड़ने वाले दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने यहां काजू किसानों के लिए तैयार की जा रही विशेष योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि समुद्री तट पर स्थित आवासीय क्षेत्रों की सुरक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने इस प्रयास में मैनग्रोव का दायरा बढ़ाने पर जोर दिये जाने का जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि मैनग्रोव प्रबंधन के लिए मालवण, अचरा-रत्नागिरी और देवगढ़-विजयदुर्ग समेत महाराष्ट्र के कई स्थानों का चयन किया गया है।

भारत गुलामी की मानसिकता को त्यागकर आगे बढ़ रहा

प्रधानमंत्री ने कहा छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों से प्रेरित होकर आज का भारत गुलामी की मानसिकता को त्यागकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि नौसेना अधिकारियों द्वारा पहने जाने वाले एपोलेट्स में अब छत्रपति वीर शिवाजी महाराज की विरासत की झलक दिखाई देगी, क्योंकि नए एपोलेट्स नौसेना के ध्वज के समान होंगे। उन्होंने पिछले साल नौसेना ध्वज के अनावरण को भी याद किया। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि भारतीय नौसेना अपने रैंकों का नाम अब भारतीय परंपराओं के अनुरूप रखने जा रही है। श्री मोदी ने नौसेना जहाज में भारत की पहली महिला कमांडिंग ऑफिसर की नियुक्ति पर भारतीय नौसेना को बधाई दी।

सबसे पहले विदेशी शक्तियों ने समुद्री सामर्थ्य पर किया था हमला

प्रधानमंत्री ने चोल साम्राज्य द्वारा दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में व्यापार के विस्तार के लिए भारत की समुद्री सामर्थ्य को श्रेय दिया। अफसोस है कि भारत की समुद्री सामर्थ्य पर सबसे पहले विदेशी शक्तियों ने हमला किया था। भारत जो नौकाएं और जहाज बनाने के लिए प्रसिद्ध था, उसने समुद्र पर नियंत्रण खो दिया और इस तरह रणनीतिक-आर्थिक सामर्थ्य खो दी। भारत विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने 'सागरमाला' के तहत बंदरगाह आधारित विकास का उल्लेख किया और कहा कि भारत 'समुद्री विजन' के तहत अपने महासागरों के पूरे सामर्थ्य का दोहन करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

जयशंकर से अमेरिका के डिप्टी एनएसए की मुलाकात

द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग को आगे बढ़ाने पर बनी सहमति

वैश्विक स्थिति पर उपयोगी विचारों का आदान-प्रदान

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को अमेरिका के प्रधान उप एनएसए जॉन फाइनर से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच विभिन्न द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों की मुलाकात ऐसे वक्त पर हो रही है जब अमेरिका ने अपने नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में कथित तौर पर भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में अमेरिका की तरफ से भारत के समक्ष औपचारिक आपत्ति भी दर्ज की गई है। विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि वैश्विक स्थिति पर उपयोगी विचारों का आदान-प्रदान। हमारे द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

हत्या के आरोप चिंता का विषय

अमेरिकी आरोपों के एक दिन बाद, भारत ने भारतीय अधिकारी को पन्नू की हत्या की साजिश रचने वाले व्यक्ति से जोड़ने को "चिंता का विषय" बताया और कहा कि आरोपों की जांच करने वाले जांच पैनल के निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि अमेरिकी पक्ष ने संगठित अपराधियों, बंदूकधारियों, आतंकवादियों और अन्य चरमपंथियों के बीच सांठगांठ से संबंधित कुछ इनपुट साझा किए। हम ऐसे इनपुट को बहुत गंभीरता से लेते हैं। अमेरिकी विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन ने इस कदम की प्रशंसा करते हुए इसे "अच्छा और उचित" बताया।

टेंशन को ज्यादा तूल देने के मूड में नहीं भारत-अमेरिका

भारत और अमेरिका दोनों ही पन्नू को लेकर ताजा टेंशन को ज्यादा तूल देने के मूड में नहीं हैं। अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने 52 वर्षीय निखिल गुप्ता पर सिख चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम करने का आरोप लगाया था। चेक गणराज्य के अधिकारियों ने गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया और हिरासत में ले लिया।

तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी के प्रचंड जीत पर तीनों राज्यों की जनता और देशवासियों को बहुत बहुत बधाई

मुंबई हलचल / संवाददाता

मधुबनी। तीन राज्यों में भाजपा के प्रचंड जीत के लिए देश के यशश्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी गृह मंत्री श्री अमित शाह जी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी एवं मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं छतीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष सहित पूरे टीम, तीनों राज्यों की जनता एवं देशवासियों को बहुत - बहुत बधाई धन्यवाद आभार खुशी के इस पल को अपने गृह जिला मधुबनी भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष शंकर झा सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मिठाई एवं अबीर-गुलाल के साथ मनाया।

मानवता के प्रवर्तक पत्रकारों के रक्षक डॉ सैयद खालिद कैस को मिला कम्यूनिटी हीरो अवार्ड

दिल्ली। देश के जाने-माने समाजसेवी, अधिवक्ता, न्यूज हंट मीडिया एंड पब्लिकेशन के प्रबंधक, डॉक्टर सैयद खालिद कैस भोपाल को निस्वार्थ मानवता की सेवा व पत्रकारों के हित में सतत संघर्ष करते हुए महत्तवपूर्ण योगदान के लिए गत दिनों डीडी क्लब रोहिणी दिल्ली में प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था 'हमारा मिशन डिग्निटी' द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में पत्रकारों के रक्षक को व्ही आई पी गेस्ट के रूप में आमंत्रित कर कम्यूनिटी हीरो अवार्ड प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि डॉ खालिद कैस पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध अखिल भारतीय पत्रकार संगठन प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के संस्थापक अध्यक्ष होने के अलावा आरटीआई एक्टिविस्ट कोंसिल ऑफ इण्डिया, पुरूष अधिकार संरक्षण मंच, मीडिया कौसिल ऑफ इण्डियन जर्नलिस्ट्स, वर्ल्ड जर्नलिस्ट्स कौंसिल इत्यादि अनेकों प्रतिष्ठित संगठनों के प्रणेता हैं, तथा कई मासिक साप्ताहिक पत्र पत्रिकाओं के स्वामी व सम्पादक की भूमिका अदा करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रहित के लिए समर्पित भावना के साथ अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। डॉ खालिद कैस को कम्यूनिटी हीरो अवार्ड मिलने पर प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं उनके उज्जवल भविष्य की नेक शुभकामनाएं।

आंगनबाड़ी केंद्रों का सीडीपीओ ने किया निरीक्षण, केंद्र संचालन ससमय करने का दिया निर्देश

मुंबई हलचल/जकी अहमद

समस्तीपुर/विद्यापतिनगर। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी रश्मि शिखा ने सोमवार को प्रखंड क्षेत्र के शेरपुर पंचायत के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई आंगनबाड़ी केंद्रों पर नियमानुकूल केंद्र संचालन नहीं देख नाराजगी जताई, साथ ही सुधार को कहा। वहीं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना का डाटा कलेक्ट कर पोषण ट्रेकर पर अपलोड करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 114, 118 एवं 183 का निरीक्षण किया। इसमें केंद्रों की साफ

सफाई, पोषाहार, बच्चों की उपस्थिति, बच्चों का वजन, ग्रोथ चार्ट पंजी सहित अन्य पंजियों का गहन निरीक्षण किया। साथ ही आवश्यक निर्देश दिया। मौके पर कई केंद्रों पर साफ - सफाई की कमी और गुणवत्तापूर्ण पोषाहार नहीं बनाये जाने के कारण सेविका व सहायिका को कड़ी फटकार लगाते हुए सुधार का निर्देश दिया। उन्होंने सेविका व सहायिकाओं को कुपोषण - मुक्त समाज निर्माण के लिए नियमानुसार ससमय प्रतिदिन केंद्र संचालन का निर्देश दिया। इसके साथ ही गुणवक्ता-पूर्ण पोषाहार व केंद्र पर साफ - सफाई पर विशेष ध्यान देने के लिए केंद्र के कर्मियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी केंद्र की शिकायत मिलने पर संबंधित कर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

उत्तराखंड कैबिनेट बैठक में 14 प्रस्तावों पर लगी मुहर

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

उत्तराखंड कैबिनेट की बैठक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई। सचिवालय में हुई बैठक में कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत, गणेश जोशी, सतपाल महाराज, प्रेमचंद अग्रवाल, रेखा आर्य, सुबोध उनियाल बैठक में मौजूद रहे। इस बैठक में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा वर्चुअल के माध्यम से जुड़े थे। बैठक में मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजनाओं के तहत छूटे हुए गांव को जोड़ा जोड़ने पर सहमति बनी और राजकीय हाई स्कूल और इंटर कॉलेज में छुट्टी या पद रिक्त पद होने पर डेली वेज पर शिक्षकों को रखने को मंजूरी देने सहित 14 प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर लगी। कैबिनेट की बैठक में लिए हुए फैसले बैठक में 14 बिंदुओं पर चर्चा हुई और सभी पर

केबिनेट की मुहर लगी। बैठक से पहले 3 बिंदुओं पर चर्चा के बाद पीएम मोदी का जताया जाएगा आभार सिलक्यारा टनल रेस्क्यु के लिए पीएम मोदी द्वारा सफल नेतृत्व को भेजी जाएगी बधाई 3 राज्यों में चुनाव जीतने के लिए पीएम को दी गई शुभकामनाएं और राष्ट्रीय खेल की मेजबानी मिलने के लिए भी पीएम का जताया जाएगा आभार न्यायिक सेवा नियमावली में संशोधन उत्तराखंड उच्चतर न्यायिक सेवा नियमावली में भी संशोधन मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजनाओं के तहत छूटे हुए गांव को जोड़ा जाएगा वर्चुवली रजिस्ट्री करने की व्यवस्था को कैबिनेट ने दी मंजूरी चिकित्सा सेवा विभाग के तहत हरिद्वार में मेडिकल कॉलेज के संचालन के लिए पदों को मंजूरी पिथौरागढ़ में मेडिकल कॉलेज के लिए भी पदों को दी गयी मंजूरी राजकीय हाई स्कूल और इंटर कॉलेज में छुट्टी या पद रिक्त पद होने पर डेली वेज पर शिक्षकों को रखने को मंजूरी 200 और 250 रुपए पर पिरियेड पर दिया जाएगा प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में हेलीपैड बनाने को लेकर नई नियमावली को मंजूरी निजी भूमि को लीज पर लेने या भू स्वामी को 50 प्रतिशत सब्सिडी का प्रवधान नंदा देवी कन्या योजना के तहत जो बालिकाएं छूट गयी थी उनको योजना का लाभ देने को मंजूरी 35088 बालिकाओं को मिलेगा लाभ ड्राइविंग लाइसेंस के ट्रायल के लिए अब चार्ज बैंक में भी दे सकेंगे।

अब उत्तराखंड में वर्चुअली होगी जमीनों की रजिस्ट्री, फर्जीवाड़े पर लगेगी लगाम

मुंबई हलचल/ संवाददाता

देहरादून। राज्य में भूमि की खरीद या बिक्री समेत लेखपत्रों के निबंधन के लिए अब पक्षकारों को निबंधन कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होगी। मंत्रिमंडल ने महत्वपूर्ण निर्णय में प्रदेश में लेखपत्रों की वर्चुअल रजिस्ट्री को स्वीकृति दी। इससे उम्रदराज, बीमार, असहाय एवं दिव्यांग व्यक्तियों को कार्यालय आने से राहत मिल गई है। साथ में भूमि की खरीद व बिक्री में फर्जीवाड़े पर रोक लगेगी। उपनिबंधक कार्यालय वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पक्षकारों का सत्यापन कर विलेखों के पंजीकरण की कार्यवाही ई-साइन से पूर्ण कराएंगे। प्रदेश में भूमि रजिस्ट्री में बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा सामने आ चुका है।

धोखाधड़ी पर लगेगी रोक

ऑनलाइन और वर्चुअल रजिस्ट्री से इस प्रकार की धोखाधड़ी पर भी प्रभावी तरीके से रोक लगाने में सहायता मिलेगी। राज्य मंत्रिमंडल ने सोमवार को इस संबंध में निर्णय लिया। वर्तमान में राज्य में लेखपत्रों के निबंधन में पक्षकारों को अभी

कार्यालय में उपस्थित हो कर बयान दर्ज कराने पड़ते हैं। वर्चुअल रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में पक्षकार अपने ही स्थान से लेखपत्र तैयार कर ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकेंगे। साथ ही वृद्ध, बीमार, असहाय व्यक्तियों को कार्यालय में रजिस्ट्री के लिए उपस्थित नहीं होना पड़ा पड़ेगा।

औद्योगिक निवेश को भी मिलेगा बल

अभी तक पक्षकारों के दूरस्थ स्थानों पर होने के कारण विलेखों का पंजीकरण संभव नहीं हो पा रहा था। अब ऐसे पंजीकरण आसानी से होंगे। इससे औद्योगिक निवेश को भी बल मिलेगा। अपर मुख्य सचिव वित्त आनंद बर्द्धन ने बताया कि पक्षकारों के लिए डिजिटल हस्ताक्षर कापी ऑनलाइन अपलोड करना संभव होगा। वर्चुअल रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को आधार प्रमाणीकरण से भी लिंक किया गया है। इससे सत्यापन में आसानी होगी, साथ में फर्जीवाड़े पर भी रोक लगेगी।

दी गई ऐच्छिक प्रयोग की अनुमति

अपर मुख्य सचिव वित्त आनंद बर्द्धन ने बताया कि केंद्र सरकार ने पांच मामलों में आधार प्रमाणीकरण के ऐच्छिक प्रयोग की अनुमति दी है। इसमें विलेखों का पंजीकरण, विवाह पंजीकरण, विवाह प्रमाणपत्र एवं लेखपत्रों की प्रमाणित प्रति जारी करने, भार मुक्त प्रमाणपत्र और पंजीकृत लेखपत्रों के ई-सर्च सम्मिलित हैं। इन कार्यों के सफल क्रियान्वयन को स्टांप एवं निबंधन विभाग को ई-केवाईसी यूजर एजेंसी के रूप में अधिकृत करने के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण एवं एनआईसी या सी-डैक के साथ एमओयू की प्रक्रिया शीघ्र संपन्न की जाएगी। आधार प्रमाणीकरण के लिए शासन से अनुमति के बाद अधिसूचना निर्गत की जा चुकी है।

दिनांक 4 दिसंबर 2023 को मैडम रजनी रावत जी पूर्व राज्यमंत्री उत्तराखंड सरकार को भैरव सेना संगठन से अनिता थापा जी मिलने आए उन्होंने बताया कि वह इस संगठन से गौ माता की रक्षा करते हैं व तमाम धार्मिक कार्यों में समाजसेवा करते रहते हैं। तथा सनातन धर्म की रक्षा के लिए वह सदैव तत्पर रहते हैं। उनकी बात सुनते हुए मैडम रजनी रावत जी ने उनके कार्य को देखते हुए 5100 रूपए दान स्वरूप प्रदान किया।

'हमसे कुछ ऐतिहासिक गलतियां हुई हैं', चार राज्यों में हार के बाद हरीश रावत ने की बदलाव की पैरवी

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। तीन प्रदेशों में बुरी तरह पराजित कांग्रेस के भीतर अब उसके बड़े नेता पार्टी की रणनीति में बड़े बदलाव की खुलकर पैरवी करने लगे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य हरीश रावत ने कहा कि हमसे कुछ ऐतिहासिक गलतियां हुई हैं। इस कारण तुष्टिकरण के आरोप लगे। हरीश रावत ने कहा कि सनातन और कांग्रेस एक- दूसरे के पर्यायवाची हैं। दोनों में सहिष्णुता है। भाजपा ने विष फैलाकर 80 प्रतिशत हिंदू आबादी को 18 प्रतिशत आबादी से डरा दिया है। मध्य प्रदेश, छतीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस को मिली हार के कारणों पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने खुलकर अपना रुख साफ किया। सनातन धर्म के मुद्दे पर भाजपा के हाथों कांग्रेस को चुनावी राजनीति में मिल रही हार पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई हिंदुओं के साथ नहीं है। कुछ लोग जब हिंदुओं का रक्षा कवच पहनकर खड़े हो जाते हैं तो कठिनाई देखने को मिलती है। यह भावना और धार्मिक विचार कांग्रेस की समझ में नहीं आ रहा है। हरीश रावत ने कहा कि हिंदुत्व को लेकर भाजपा जो खेल खेलती है, उसे समझना होगा। उस हिंदू को डराया जा रहा है जो 80 प्रतिशत है। राम, कृष्ण, गांधी, सुभाष, महाराणा प्रताप इसी समाज से पैदा हुए हैं। अब इसका जवाब ढूंढना ही होगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि राम मंदिर का दरवाजा कांग्रेस ने खुलवाया, लेकिन उसके बाद शाहबानो मामले में कदम उठाए। इससे तुष्टिकरण के आरोप लगे। भाजपा ने इसी का लाभ उठाया। लालकृष्ण आडवाणी ने इसे मुद्दा बनाया और आरएसएस ने इसे घर-घर तक पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के साथ प्रतिस्पर्धा में गलती कर गई। कांग्रेस को इन दलों के फेल होने की प्रतीक्षा करनी चाहिए थी।

उत्तराखंड में करवट बदलेगा मौसम

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। मौसम विभाग ने एक बार फिर से पूर्वानुमान जारी करते हुए 24 से 48 घंटों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है,खासकर उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र और गढ़वाल क्षेत्र के अंदर के जिलों में बारिश होने का अनुमान है साथ ही कहीझकहीं हल्की बारिश के साथ बर्फबारी भी देखने को मिल सकती है, मौसम विभाग की निदेशक विक्रम सिंह ने कहा कि आने वाले एक-दो दिनों तक कुमाऊं व गढ़वाल क्षेत्र में अंदर के जिलों में बारिश देखने को मिल सकती है जिसके चलते मैदानी इलाकों में तापमान में गिरावट दर्ज होने की आशंका है,हालांकि मैदान क्षेत्रों में आज सुबह के वक्त से ही बादल छाए हुए है लेकिन मौसम फिलहाल साफ रहने की उम्मीद मौसम विभाग जता रहा है,वहीं हरिद्वार और उधमसिंह नगर में कोहरा छाए रहने की उम्मीद है

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रॉनी रॉड्रिग्स ने दिया अपने स्टाफ को लंदन ट्रिप का सबसे बड़ा दिवाली उपहार

मुंबईहलचल / संवाददाता

रौशनी के त्योहार दिवाली के दौरान बहुत सारे बिजनेसमैन अपने कर्मचारियों को अच्छे-अच्छे तोहफे देते हैं। लेकिन क्या आपने कभी किसी कंपनी के मालिक के बारे में सुना है जो अपने कर्मचारियों को दिवाली के उपहार के रूप में विदेश के दौरे का पूरा खर्चा देता हो? शोध के अनुसार केवल एक ही कंपनी का मालिक है जिसने कई बार ऐसा किया है। पर्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज के मालिक और सीएमडी रॉनी रोड्रिग्स अपने कर्मचारियों, जिनमें ऑफिस बॉय, चौकीदार, ड्राइवर, सुरक्षा कर्मचारी आदि शामिल हैं, को साल में कम से कम एक बार विदेशी दौरे का उपहार देते रहे हैं।

दिवाली के दौरान रॉनी रॉड्रिग्स धीरज हेरिटेज परिसर (जहां उनकी कंपनियों के समूह का हेड ऑफिस स्थित है) में सफाई कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों और छोटे कर्मचारियों को मिठाई, मेवे, उपहार और नकदी वितरित करना सुनिश्चित करते है। इसके अलावा उनके पूरे स्टाफ को विदेश यात्रा के रूप में अच्छा बोनस मिलता है। रॉनी रोड्रिग्स सभी के हवाई टिकट, वीजा, होटल आवास आदि की व्यवस्था करते है। इस दिवाली पर सारा स्टाफ यूनाइटेड किंगडम की राजधानी लंदन चला गया। वह भी सभी के साथ यात्रा करते हैं और उसी होटल में रुकते हैं, अक्सर पांच सितारा होटल में। चूंकि कई लोग यूरोपीय भोजन को पसन्द नहीं करते हैं, इसलिए वह रसोई सुविधाओं के साथ कमरे बुक करना सुनिश्चित करते हैं, जहां लोग अपनी पसंद का भोजन पका सकते हैं। ये कमरे एक ओवन, एक वॉशिंग मशीन, बर्तनों के साथ खाना पकाने की रेंज आदि से सुसज्जित हैं। और ध्यान रखें, इन कमरों की कीमत अन्य कमरों की तुलना में अधिक है। इस ट्रिप के दौरान वह सभी को लंदन आई सहित दर्शनीय स्थलों की यात्रा पर ले गए। आखरी लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि रॉनी रॉड्रिग्स ने अपने खर्च पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए खरीदारी की व्यवस्था की। इस बात पर यकीन करना मुश्किल है लेकिन ये सच है। क्या किसी को पता है, कोई मालिक अपने कर्मचारियों के लिए इतना कुछ कर रहा है? रॉनी रोड्रिग्स निश्चित रूप से खुशियाँ बाँटना पसंद करते हैं और उन्हें आसानी से आधुनिक समय का कर्ण कहा जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पति विक्की को इन तीन नामों से बुलाती हैं कैटरीना कैफ

फिल्ममेकर करण जौहर के पॉपुलर शो 'कॉफी विद करण 8' के नए एपिसोड का प्रोमो इस वक्त सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रहा है। इस बार करण जौहर के शो में एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के साथ सैम बहादुर एक्टर विक्की कौशल पहुंचे। जिन्होंने शो में खुद की प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी कई दिलचस्प खुलासे किए। इस दौरान उन्होंने ये भी बताया कि कैटरीना कैफ उन्हें किस नाम से बुलाती हैं। कॉफी विद करण 8 का लेटेस्ट प्रोमो करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। जिसकी शुरूआत विक्की और कियारा के इंट्रोडक्शन से होती है। शो में कियारा और विक्की ट्विनिंग कपड़ों में नजर आते हैं। विक्की जहां ब्लैक कलर का सूट पहने नजर आते हैं। वहीं कियारा आडवाणी ऑफ शोल्डर ड्रेस में कहर ढा रही हैं। शो में करण जौहर विक्की और कियारा से ढेर सारी बातें तो करते ही हैं। साथ फिल्ममेकर दोनों स्टार्स के साथ एक मजेदार गेम भी खेलते हैं। इस गेम में करण विक्की से पूछते हैं कि वो तीन नाम बताएं दो आपके पार्टनर आपको कहकर बुलाती हैं। इसका जवाब देते हुए सैम बहादुर फेम विक्की कौशल कहते हैं कि, बूबू, बेबी और हेहेय, एक्टर का ये जवाब सुनने के बाद ना सिर्फ करण बल्कि कियारा भी जोर-जोर से हंसने लगती हैं। वहीं शो के दौराना कियारा और विक्की कौशल एक्ट्रेस कैटरीना कैफ के पॉपुलर गाने 'चिकनी चमेली' पर जोरदार डांस भी करते हुए दिखाई देते हैं। दोनों का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

सामंथा से तलाक के बाद जांच को लेकर नागा चैतन्य बोले, 'मुझे टेंशन नहीं, मेरे करीबी लोगों को सच पता चल जाएगा'

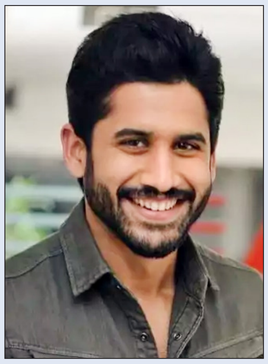

सामंथा रुथ प्रभु से तलाक के बाद नागा चैतन्य अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। उन्होंने हाल ही में धूथा के साथ अपना ओटीटी डेब्यू किया और इसी बीच अभिनेता कुछ इंटरव्यू भी दे रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक साक्षात्कार के दौरान व्यक्त किया कि उनकी पर्सनल लाइफ पर सभी जांच उन्हें कभी परेशान नहीं करती है। उन्होंने कहा कि उनके करीबी लोग सच्चाई जानते हैं और वो केवल अपने काम के लिए जाना जाना पसंद करेंगे। सामंथा से अलग होने के बाद लगातार नागा चैतन्य मीडिया अटकलों को साझा किया। इंडियन एक्सप्रेस के साथ एक साउथ स्टार ने कहा कि उनका लक्ष्य अपने निजी जीवन के बजाय अपनी कला के लिए जाना जाना है। उन्होंने कहा, मैं असल में एक सीमा के बाद इसके बारे में चिंता नहीं करता हूं। मेरे करीबी लोगों को सच्चाई पता चल जाएगी। इसके अलावा, मैं चाहता हूं कि मेरी निजी जिंदगी में जो हो रहा है उससे ज्यादा मैं एक अभिनेता के रूप में अपने काम के लिए जाना जाऊं। इसलिए मैं अपनी कला पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं, फिल्मों को बात करने देता हूं। अंत में, अगर मेरी फिल्में बढ़िया हैं और दर्शकों का मनोरंजन करती हैं, तो मैं चाहता हूं कि वे मुझे इसके लिए याद रखें। नागा चैतन्य और सामंथा रुथ प्रभु ने 2017 में शादी करने से पहले चार साल तक डेट किया और 2021 में कपल ने अलग होने की घोषणा की। उन्होंने एक बयान जारी कर प्रशंसकों से आगे बढ़ने के लिए प्राइवेसी रखने की अपील की थी। दोनों ने अपने सोशल पेज पर लिखा था, हमारे सभी शुभचिंतकों के लिए। बहुत विचार-विमर्श के बाद सैम और मैंने पति-पत्नी के रूप में अलग होकर अपने रास्ते पर चलने का फैसला किया है। हम भाग्यशाली हैं कि हमारी एक दशक से अधिक पुरानी दोस्ती है। यह हमारे रिश्ते का मूल है और हमारा मानना है कि यह हमेशा हमारे बीच एक विशेष बंधन बनाए रखेगा।

बोनी ने सलमान को नो एंट्री के सीक्वल से किया बाहर?

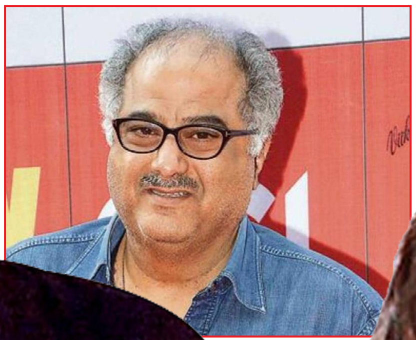

नो एंट्री के सीक्वल का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं फैंस अब फिल्म में सलमान खान को नहीं देख पाएंगे। वैसे दावा तो यही किया जा रहा था कि फिल्म अपने ओरिजिनल स्टार कास्ट के साथ लौटेगी। लेकिन फिर बाद में ये खबरें भी सामने आईं कि कानूनी पचड़ों की वजह से इस फिल्म पर रोक लगा दी गयी है, लेकिन अब एक नई खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स की माने तो, सलमान खान और बोनी कपूर के बीच अनबन के चलते प्रोड्यूसर ने सलमान के बिना ही नो एंट्री का सीक्वल बनाने का फैसला किया है। खबर तो ये भी है कि फिल्म का पूरा काम सही चल रहा था, लेकिन बाद में सलमान खान ने इच्छा जाहिर की, कि वो फिल्म का पूरा प्रोडक्शन संभालना चाहते हैं। जी हां, जब सलमान ने 'नो एंट्री में एंट्री' के प्रोडक्शन पर पूरी तरह अपना कंट्रोल करने की इच्छा जाहिर की तो फिल्म के प्रोड्यूसर बोनी कपूर उनकी इस शर्त से सहमत नहीं हुए। सलमान के इस फैसले के चलते बोनी और उनके बीच अनबन हो गई और बोनी ने उन्हें अपनी फिल्म से ही निकाल दिया।